RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
15
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन को राज्य का दर्जा देने के पक्ष में मतदान किया / India votes in favour of Palestine's statehood at UN

संदर्भ:

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीन मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान और दो-राज्य समाधान के कार्यान्वयन से जुड़े 'न्यूयॉर्क घोषणा' का समर्थन करते हुए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया।

न्यूयॉर्क घोषणा:

- **प्रस्ताव पेश किया:** फ्रांस ने
- **मतदान परिणाम:**
  - **पक्ष में:** 142 देश
  - **विरोध में:** 10 देश (जैसे अर्जेंटीना, हंगरी, इज़रायल और अमेरिका)
  - **अनुपस्थित/परहेज़:** 12 देश

घोषणा के मुख्य बिंदु:

- गाज़ा युद्ध को समाप्त करने के लिए **सामूहिक कार्रवाई** पर सहमति।
- इज़रायल-फिलिस्तीन विवाद का **न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान** लाने पर ज़ोर।
- यह समाधान **दो-राष्ट्र सिद्धांत (Two-State Solution)** पर आधारित होगा।
- इससे फिलिस्तीनियों, इज़रायलियों और पूरे क्षेत्र के लिए बेहतर भविष्य बनाने का लक्ष्य।
- **इज़रायली नेतृत्व से अपील** की गई कि वे:
  - दो-राष्ट्र सिद्धांत के प्रति स्पष्ट सार्वजनिक प्रतिबद्धता जताएँ।
  - एक **संप्रभु और व्यवहार्य फिलिस्तीनी राज्य** को स्वीकार करें।

भारत का रुख: इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष

ऐतिहासिक मान्यता

- 1974: भारत, फिलिस्तीन मुक्ति संगठन को मान्यता देने वाला पहला **ग़ैर-अरब देश**।
- 1988: भारत, फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने वाले पहले देशों में शामिल।

फिलिस्तीन राज्य का समर्थन:

- भारत **दो-राष्ट्र समाधान** का समर्थन करता है - इज़रायल और फिलिस्तीन का सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व।
- **पूर्वी यरुशलम** को फिलिस्तीन की राजधानी मानने का समर्थन (UN प्रस्तावों के अनुसार)।
- फिलिस्तीन की सदस्यता को **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों** (जैसे UNESCO, UNGA) में समर्थन।

उच्चस्तरीय यात्राएँ:

- 2015: राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने फिलिस्तीन का दौरा किया (पहली बार किसी भारतीय राष्ट्रपति की यात्रा)।
- 2018: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलिस्तीन की ऐतिहासिक यात्रा की (पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिलिस्तीन का दौरा किया)।

विकास सहयोग:

- भारत ने फिलिस्तीन को अब तक लगभग **141 मिलियन अमेरिकी डॉलर** की विकास सहायता दी।
- **IBSA फंड** के तहत फिलिस्तीन में 4 परियोजनाएँ (~5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) चलाई गईं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका:

- दोनों पक्षों की **हिंसा और आतंकवाद की निंदा**।
- गाज़ा को **मानवीय सहायता** की आवश्यकता पर बल।
- संघर्ष का **कूटनीतिक और शांतिपूर्ण समाधान** ज़रूरी।

संतुलित दृष्टिकोण:

- पिछले तीन दशकों में भारत-इज़रायल संबंध (रक्षा, कृषि, नवाचार) मज़बूत हुए।
- फिर भी भारत ने फिलिस्तीन के प्रति अपने **ऐतिहासिक और सिद्धांत आधारित समर्थन** को बरकरार रखा।
- भारत की स्थिति को कहा जाता है: "**फिलिस्तीन के लिए सैद्धांतिक समर्थन, इज़रायल के साथ व्यावहारिक साझेदारी**।"

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शपथ ली / Nepal's first female prime minister, Sushila Karki, sworn in

संदर्भ:

नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और देश का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनीं।

नेपाल में राजनीतिक घटनाक्रम:

- **संसद भंग:** नेपाल की राष्ट्रपति ने संसद को भंग कर दी।
- **नई तारीख:** अब 5 मार्च 2026 को ताज़ा आम चुनाव कराए जाएंगे।
- **कारण:**
  - भ्रष्टाचार (Corruption)
  - कुप्रशासन (Misrule)
  - सोशल मीडिया बैन (Social Media Ban)
- **विरोध प्रदर्शन:** यह आंदोलन मुख्य रूप से **Gen Z (युवा पीढ़ी)** के नेतृत्व में हुआ।
- **प्रधानमंत्री पद:** इन प्रदर्शनों के चलते प्रधानमंत्री **के.पी. शर्मा ओली** को पद से हटना पड़ा।
- **मुख्य न्यायाधीश नियुक्ति:** प्रदर्शनकारियों के समर्थन से **सुशीला कार्की** को मुख्य न्यायाधीश (Chief Justice) बनाया गया।
- **निर्णय प्रक्रिया:** इस नियुक्ति पर सहमति **कानूनी विशेषज्ञों, राजनीतिक नेताओं और सेना** की लंबी चर्चाओं के बाद बनी।

सुशीला कार्की (Sushila Karki):

- **जन्म:** 7 जून 1952, नेपाल के संकरपुर (बाद में बिराटनगर का हिस्सा) में एक **छेत्री परिवार** में हुआ।
- **परिवार:** वे अपने परिवार में सात बच्चों में सबसे बड़ी हैं।
- **प्रारंभिक शिक्षा:** त्रिभुवन विश्वविद्यालय (Tribhuvan University) से पढ़ाई की।
- **स्नातक (Graduation):** 1972 में महेन्द्र मोरंग कॉलेज से **Bachelor of Arts (B.A.)** की डिग्री प्राप्त की।
- **उच्च शिक्षा (Higher Studies):**
  - भारत में राजनीति विज्ञान (Political Science) की पढ़ाई की।
  - 1975 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (Banaras Hindu University) से राजनीति विज्ञान में Master's Degree प्राप्त की।
- **कानून की पढ़ाई (Law Studies):** 1978 में त्रिभुवन विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री (Law Degree) हासिल की।

भारत-नेपाल संबंध (India–Nepal Relations)

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंध

- भारत और नेपाल के रिश्ते गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आधार पर टिके हुए हैं।
- 1950 की शांति और मैत्री संधि (Treaty of Peace and Friendship) और खुली सीमा (Open Border) ने "रोटी-बेटी का रिश्ता" मजबूत किया है।

सहयोग के मुख्य क्षेत्र: व्यापार (Trade), ऊर्जा (Energy), रक्षा (Defence), सीमा सुरक्षा (Border Security)

भारत नेपाल के विकास में भी लगातार सहयोग करता है।

चुनौतियाँ (Challenges)

- **सीमा विवाद (Border Disputes):** खासकर **कालापानी क्षेत्र** पर।
- नेपाल का **बढ़ता व्यापार घाटा (Trade Deficit)**।
- **हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स** में देरी।
- नेपाल पर **चीन का बढ़ता प्रभाव**।

रक्षा व सुरक्षा सहयोग:

- भारत और नेपाल के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग **लंबे समय से मजबूत और लाभकारी** है।
- दोनों देशों की सेनाओं में **पारस्परिक विश्वास और सम्मान** पर आधारित गहरे संबंध हैं।
- दोनों देशों की परंपरा है कि वे एक-दूसरे की सेना के प्रमुख को **मानद जनरल (Honorary General)** की उपाधि देते हैं।
- **गोरखा रेजिमेंट** के जरिए दोनों सेनाओं के रिश्ते और मजबूत हुए हैं।
- नेपाल की स्थिति रणनीतिक दृष्टि से अहम है क्योंकि यह **भारत और चीन के बीच** स्थित है।

विकासात्मक सहयोग (Developmental Partnership)

- भारत हर साल नेपाल के छात्रों को **1,500 से अधिक छात्रवृत्तियाँ** देता है (चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कृषि और पारंपरिक कला आदि क्षेत्रों में)।
- **ITEC कार्यक्रम:** इसमें नेपाली प्रोफेशनल्स के लिए प्रशिक्षण, परामर्श, स्टडी टूर और व्यवहार्यता अध्ययन शामिल हैं।

भारत की 7 संपत्तियों को यूनेस्को के विश्व धरोहर सम्मेलन की अस्थायी सूची में जोड़ा गया / India's 7 properties have been added to the Tentative List of UNESCO's World Heritage Convention.

संदर्भ:

यूनेस्को ने भारत की 7 महत्वपूर्ण संपत्तियों को अपने विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल करने की घोषणा की है। इन धरोहरों को "नेचुरल कैटेगरी" के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

अस्थायी सूची (Tentative List) में शामिल धरोहरें:

1. सेंट मैरी द्वीप समूह की भूवैज्ञानिक विरासत (उडुपी, कर्नाटक)
2. मेघालय युग की गुफाएँ (पूर्वी खासी हिल्स, मेघालय)
3. नागा हिल ओफियोलाइट (किफिर, नागालैंड)
4. एरा मट्टी डिब्बालु की प्राकृतिक विरासत (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश)
5. तिरुमाला हिल्स की प्राकृतिक विरासत (तिरुपति, आंध्र प्रदेश)
6. वर्कला की प्राकृतिक विरासत (केरल)
7. पंचगनी और महाबलेश्वर में डेक्कन ट्रैप (महाराष्ट्र)

1. सेंट मैरी द्वीप (St. Mary's Islands), उडुपी – कर्नाटक:

- **स्थान:** अरब सागर, मालपे तट (उडुपी, कर्नाटक)
- **द्वीप:** कोकोनट आइलैंड, नॉर्थ आइलैंड, दर्या बहादुरगढ़ आइलैंड, साउथ आइलैंड (+ मिडल रॉक)
- **भूवैज्ञानिक महत्व:** 85–88 मिलियन वर्ष पुराने, भारत-मेडागास्कर के विभाजन से बने।
- **विशेषता:** कॉलमदार बेसाल्ट, रियोलाइटिक लावा संरचना, ग्रैनोफायरिक टेक्सचर (दुर्लभ)।
- **कॉलम व्यास:** लगभग 20–25 सेंटीमीटर, सीधी खड़ी चट्टानें।

सेंट मैरी द्वीप (St. Mary's Islands) का ऐतिहासिक महत्व

- **1498 में वास्को-दा-गामा** जब समुद्री मार्ग से भारत पहुँचे, तो सबसे पहले यहीं उतरे थे।
- उन्होंने इस द्वीप पर एक **क्रॉस** स्थापित किया और इसका नाम **"O Padrão de Santa Maria"** रखा, जो **सेंट मैरी (ईसा मसीह की माता)** को समर्पित था।

2. मेघालय युग की गुफाएँ:

- **स्थान:** शिलांग पठार, मेघालय (गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ)
- **विशेषताएँ:** चूना पत्थर से बनी, स्टैलेक्टाइट्स–स्टैलेग्माइट्स संरचनाएँ, 12 प्रमुख गुफाएँ।
- **महत्वपूर्ण गुफाएँ:** पूर्वी खासी पहाड़ियों की 4 गुफाएँ विशेष।
- **मावम्लुह गुफा:** यहाँ से मिले अवशेषों को *होलोसीन काल* के नवीनतम चरण का GSSP घोषित किया गया।
  - इसी आधार पर काल का नाम रखा गया "मेघालयन युग"।

3. एर्र मट्टी डिब्बालु (लाल रेत के टीले):

- **स्थान:** विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश (बंगाल की खाड़ी तट)
- **क्षेत्रफल:** लगभग 1,500 एकड़
- **महत्व:** दुर्लभ तटीय भू-आकृतिक संरचनाओं के कारण राष्ट्रीय भू-धरोहर स्मारक
- **उत्पत्ति:** लगभग 26 लाख वर्ष पूर्व, *लेट क्वाटरनरी युग* में जलवायु परिवर्तन व समुद्र तल उतार-चढ़ाव से निर्मित

4. तिरुमला की प्राकृतिक धरोहर:

- **स्थान व ऊँचाई:** तिरुमला समुद्र तल से लगभग 3,200 फीट (980 मीटर) की ऊँचाई पर स्थित।
- **क्षेत्रफल:** लगभग 26.8 वर्ग किलोमीटर (10.33 वर्ग मील) में फैला हुआ।
- **सात पवित्र चोटियाँ (शेषाचलम श्रृंखला – पूर्वी घाट):** शेषाद्रि, नीलाद्रि, गरुड़ाद्रि, अंजनाद्रि, वृषभाद्रि, नारायणाद्रि, वेंकटाद्रि – जहाँ श्री वेंकटेश्वर मंदिर स्थित है (सबसे पवित्र चोटी)।

5. वारकला की अद्वितीय चट्टानें (केरल):

- **स्थान:** केरल के दक्षिण-पश्चिमी तट पर, अरब सागर किनारे।
- **लंबाई:** लगभग 7.5 किमी लंबी चट्टानी संरचना।
- **भूवैज्ञानिक काल:** मियो-प्लायोसीन युग की वर्कल्ली संरचना को उजागर करती है।
- **निर्माण:** समय के साथ हुए अपरदन (erosion) से बना आकर्षक परिदृश्य, भारतीय तटों पर विरल।

भूवैज्ञानिक विशेषताएँ

- परतें: कार्बोनसियस क्ले, लिग्नाइट, मार्कासाइट, रंग-बिरंगी मिट्टी और बलुआ पत्थर
- आधार: ये सभी परतें प्रीकैम्ब्रियन क्रिस्टलीय शैल (खोंडालाइट) पर स्थित।
- महत्व: विविध लिथोयूनिट्स इसकी भू-सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व को बढ़ाते हैं।

6. नागा हिल्स (Naga Hills) – ओफ़ियोलाइट:

भौगोलिक स्थिति

- **स्थान:** भारत के नागालैंड और म्यांमार के सगाइंग क्षेत्र में फैली पर्वत प्रणाली।
- **श्रृंखला:** अराकान पर्वत श्रृंखला का हिस्सा।
- **ऊँचाई:** अधिकतम 12,552 फीट।
- **दिशा:** उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम (NE–SW)।
- **विस्तार:** मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी म्यांमार तक फैली

भारत का लक्ष्य 2047 तक दो सार्वजनिक बैंकों को विश्व के शीर्ष 20 बैंकों की सूची में शामिल करना / India aims for two PSBs on world top 20 list by 2047

संदर्भ:

हाल ही में आयोजित **पीएसबी मंथन 2025** में वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की कि सरकार की कोशिश है कि कम से कम दो सार्वजनिक क्षेत्र के **बैंक परिसंपत्तियों** के आधार पर दुनिया के **शीर्ष 20 बैंकों** में जगह बना सकें।

बैठक मे कुछ अन्य मुद्दो पर भी हुई चर्चा-

- बैंकों की स्वायत्तता बढ़ाने
- निदेशक मंडल की भूमिका मजबूत करने
- एनपीए अनुपात कम रखने,
- प्रौद्योगिकी व साइबर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने
- ग्राहक सेवा एवं शिकायत निवारण को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया
- कृषि और MSME सेक्टर की फंडिंग बढ़ाने पर जोर

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (Public Sector Banks – PSBs):

परिभाषा: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक वे बैंक हैं जिनमें सरकार की हिस्सेदारी कुल शेयरों का 50% या उससे अधिक होती है।

- इन बैंकों की वित्तीय नीतियाँ और संचालन का बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
- चूँकि ये बैंक सरकारी स्वामित्व में होते हैं, इसलिए जनता को इन पर अधिक भरोसा रहता है कि उनकी जमा पूंजी सुरक्षित है।

विशेषताएँ:

1. **सरकारी नियंत्रण:**
   - 50% से अधिक हिस्सेदारी सरकार की होती है।
   - नीतियाँ और दिशा-निर्देश सरकार ही तय करती है।
2. **जनहितकारी भूमिका:**
   - ग्रामीण क्षेत्रों, गरीबों और किसानों तक बैंकिंग सुविधाएँ पहुँचाना।
   - सरकारी योजनाओं जैसे *जनधन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा लोन, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ* आदि का संचालन।
3. **सुरक्षा और विश्वास:** लोग अपनी जमा पूंजी को सुरक्षित मानते हैं क्योंकि सरकार की गारंटी रहती है।
4. **कम शुल्क:** निजी बैंकों की तुलना में इनके शुल्क कम होते हैं।
5. **लाभकारी और स्थिर:** ये बैंक केवल मुनाफे के लिए नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखने के लिए भी कार्य करते हैं।

भारत के बैंकों की वैश्विक स्थिति:

- **भारतीय स्टेट बैंक (SBI):** दुनिया के सबसे बड़े बैंकों की सूची में **43वें स्थान** पर।
- **एचडीएफसी बैंक (HDFC):** निजी क्षेत्र का प्रमुख बैंक, **73वें स्थान** पर।
- **सरकार का लक्ष्य:** आने वाले समय में भारत के **कम-से-कम दो बैंक** इतने मजबूत बनाए जाएं कि वे दुनिया के **शीर्ष 20 बैंकों** में शामिल हो सकें।
- **2025 की स्थिति:**
  - जुलाई 2025 के आँकड़ों के अनुसार, रैंकिंग बाज़ार पूंजीकरण पर आधारित है।
  - सूची में अमेरिका और चीन के बैंकों का दबदबा है।
  - जेपी मॉर्गन चेस (अमेरिका) पहले स्थान पर।
  - चीन के चार बड़े बैंक शीर्ष 10 में शामिल।

शीर्ष 10 बैंक (बाज़ार पूंजीकरण के आधार पर)

रैंक	बैंक	मुख्यालय	बाज़ार आकार (USD)
#1	जेपी मॉर्गन चेस	न्यूयॉर्क, अमेरिका	785.91 बिलियन
#2	ICBC (इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना)	बीजिंग, चीन	359.63 बिलियन
#3	बैंक ऑफ अमेरिका	शार्लेट, नॉर्थ कैरोलिना, अमेरिका	342.31 बिलियन
#4	एग्रीकल्चर बैंक ऑफ चाइना	बीजिंग, चीन	294.56 बिलियन
#5	चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक	बीजिंग, चीन	283.70 बिलियन
#6	वेल्स फार्गो	कैलिफोर्निया, अमेरिका	257.33 बिलियन
#7	बैंक ऑफ चाइना	बीजिंग, चीन	236.14 बिलियन
#8	मॉर्गन स्टेनली	न्यूयॉर्क, अमेरिका	223.38 बिलियन
#9	एचएसबीसी	लंदन, इंग्लैंड	216.09 बिलियन
#10	गोल्डमैन सैक्स	न्यूयॉर्क, अमेरिका	217.49 बिलियन

निष्कर्ष:

यह पहल न केवल भारत के बैंकिंग क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाने में मदद करेगी बल्कि देश की वित्तीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के विश्वास को भी मजबूत करेगी। यदि भारत के कम से कम दो बैंक विश्व के शीर्ष 20 बैंकों में स्थान बनाने में सफल होते हैं, तो यह भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य (विकसित भारत 2047) की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगी।

अल्बानिया में दुनिया के पहले एआई मंत्री को शामिल किया गया / Albania Inducts World's First AI Minister

संदर्भ:

Albania ने इतिहास रचते हुए पहली बार एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) इकाई को औपचारिक रूप से सरकारी मंत्री के रूप में शामिल किया है। इस वर्चुअल मंत्री का नाम **Diella** है, जिसे पूरी तरह कोड और पिक्सल्स से बनाया गया है। Diella को सार्वजनिक खरीद प्रणाली की निगरानी और सरकारी खर्चों में भ्रष्टाचार से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है। यह कदम सार्वजनिक प्रशासन में AI के उपयोग का एक नया अध्याय खोलता है।

एआई मंत्री डिएला का परिचय:

- **शुरुआत:** 11 सितंबर 2025 को अल्बानिया के प्रधानमंत्री **एडी रामा** ने तिराना में सोशलिस्ट पार्टी की सभा में डिएला को पेश किया।
- **विशेषता:** डिएला इंसान नहीं बल्कि **एआई तकनीक से संचालित डिजिटल अवतार** है।
- **महत्त्व:** यह अल्बानियाई सरकार का **एकमात्र गैर-मानव मंत्री** है।
- **मुख्य कार्य:** सरकारी ठेकों (public tenders) का मूल्यांकन और आवंटन करना।

भूमिका और जिम्मेदारियाँ:

- **पारदर्शिता व दक्षता:** सरकारी **सार्वजनिक खरीद (procurement)** को पारदर्शी और तेज़ बनाना।
- **डिजिटल संचालन:** अल्बानिया के डिजिटल सर्विस पोर्टल पर **वॉइस कमांड** से काम करता है।
- **टेंडर प्रबंधन:** सरकारी परियोजनाओं के लिए टेंडरों की **जाँच और ठेकेदारों का चयन**।
- **वैश्विक भर्ती:** सरकार की जरूरतों के लिए **दुनियाभर से प्रतिभा की भर्ती** करने की क्षमता।
- **भ्रष्टाचार रोकथाम:** मानवीय हस्तक्षेप, रिश्वतखोरी और धमकियों को **कम करने के उद्देश्य से तैयार**।

उद्देश्य और लाभ (Objectives and Benefits):

- अल्बानिया में **भ्रष्टाचार**, विशेषकर सरकारी खरीद (procurement) में, एक बड़ी समस्या है।
- एआई मंत्री **निष्पक्ष एल्गोरिद्म** का प्रयोग करके पक्षपात को कम करेगा।
- सरकार को उम्मीद है कि इससे **पारदर्शिता और जवाबदेही** बढ़ेगी।
- **डेटा-आधारित निर्णय** लेने की क्षमता से प्रशासनिक जड़ता (rigidity) भी कम होगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence - AI) क्या है?

- यह मशीनों की **काल्पनिक बुद्धिमत्ता** को दर्शाता है, जिसमें इंसानों की तरह किसी भी बौद्धिक कार्य को समझने या सीखने की क्षमता होती है।
- एआई का उद्देश्य **मानव मस्तिष्क की संज्ञानात्मक क्षमताओं (cognitive abilities)** की नकल करना या उन्हें बेहतर बनाना है।
- एआई मशीनों को मानव मस्तिष्क की क्षमताओं का **मॉडल बनाने और सुधार करने** की क्षमता प्रदान करता है।

सार्वजनिक सेवा में AI का उपयोग:

1. प्रशासन और शासन:

- नागरिक शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए **एआई चैटबॉट और एनएलपी टूल्स**।
- कर दाखिलियों, सब्सिडी और सार्वजनिक खरीद में **गड़बड़ियों का पता लगाना (anomaly detection)**।

2. स्वास्थ्य क्षेत्र (Healthcare):

- शुरुआती रोग पहचान के लिए **एआई मॉडल** (जैसे टीबी, कैंसर की जाँच)।
- ग्रामीण क्षेत्रों में **एआई-पावर्ड टेलीमेडिसिन और वर्चुअल असिस्टेंट्स**।

3. शिक्षा (Education):

- विद्यार्थियों की ज़रूरत के अनुसार **एआई-आधारित अनुकूली प्लेटफ़ॉर्म (adaptive platforms)**।
- **स्वचालित मूल्यांकन (Automated Assessments)** से शिक्षकों का कार्यभार कम करना और त्वरित फीडबैक देना।

4. कृषि (Agriculture):

- **सटीक खेती (Precision Farming):** मिट्टी की सेहत, मौसम और कीट नियंत्रण पर सलाह।
- **बाज़ार पूर्वानुमान (Market Forecasting):** किसानों के लिए मूल्य की भविष्यवाणी।
- **सप्लाई चेन ऑप्टिमाइज़ेशन:** कटाई के बाद नुकसान को कम करने के लिए एआई आधारित लॉजिस्टिक समाधान।

भारत में अफीम उत्पादन / Opium production in India

संदर्भ:

भारत सरकार हर वर्ष **अफीम की खेती की वार्षिक लाइसेंसिंग नीति** की घोषणा करती है, जो **मादक द्रव्य और मन:प्रभावी पदार्थ (NDPS) नियम, 1985** के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार चिकित्सा और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए नियंत्रित की जाती है।

भारत में अफीम उत्पादन:

संक्षिप्त विवरण: भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो औषधीय और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए कानूनी रूप से अफीम गम (Opium Gum) का उत्पादन करता है, और यह नारकोटिक ड्रग्स एंड सायकोट्रोपिक सबस्टेंस (NDPS) अधिनियम, 1985 के तहत नियंत्रित है।

नियमन:

- उत्पादन पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) द्वारा कड़ी निगरानी होती है, जो राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय के अधीन काम करता है।
- केवल कुछ राज्यों में अनुमति है: मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश (विशेष अधिसूचित क्षेत्र)।

किसानों के लिए शर्तें:

1. किसानों को **प्रत्येक वर्ष लाइसेंस** लेना अनिवार्य है।
2. लैटेक्स (सारा रस) में **मिनिमम क्वालिफाइंग यील्ड (MQY)** यानी न्यूनतम मॉर्फिन सामग्री प्राप्त करनी होती है।
3. पूरी उपज **CBN को ही सौंपनी होगी**, और **सरकार द्वारा तय मूल्य** पर खरीद की जाएगी।

महत्व: अफीम और उससे निकाले जाने वाले अल्कलॉइड—मॉर्फिन, कोडीन, थेबाइन—पेलिएटिव केयर, दर्द प्रबंधन और आवश्यक नशीली दवाओं के निर्माण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

डिजास्टर रिस्क इंडेक्स / Disaster Risk Index

संदर्भ:

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **आपदा जोखिम सूचकांक (Disaster Risk Index - DRI)** को नए सिरे से तैयार करने की मांग की है। उनका कहना है कि हिमालयी क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक और प्राकृतिक परिस्थितियाँ हैं, जिनसे जुड़े खतरों को वर्तमान सूचकांक में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया है।

डिजास्टर रिस्क इंडेक्स (DRI):

डिजास्टर रिस्क इंडेक्स (DRI) एक ऐसा माप है जो प्राकृतिक/मानवजनित आपदाओं के खतरे, संवेदनशीलता और क्षमता/सहनशीलता को मिलाकर तैयार किया जाता है।

भारत में उपयोग:

- DRI का प्रयोग यह पहचानने के लिए किया जाता है कि कौन से **राज्य/केंद्रशासित प्रदेश (UTs)** आपदाओं के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं।
- यह केवल प्राकृतिक आपदाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें शामिल हैं:
  - कितने लोग प्रभावित हो सकते हैं
  - कितनी आबादी, कृषि और अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है
  - बुनियादी ढांचे की तैयारी और सुरक्षा

तैयारी: DRI **15वीं वित्त आयोग (2017–2025)** द्वारा तैयार किया गया।

- इसमें **14 प्रकार की आपदाओं** शामिल हैं: भूकंप, चक्रवात, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, सूनामी, हिमस्खलन, हीट वेव, कोल्ड वेव, तटीय क्षरण, वन आग, आग, औद्योगिक आपदाएँ, बिजली गिरना

स्तर और गणना:

- DRI की गणना **जिला स्तर (Census District)** पर की जाती है (2011 की जनगणना के अनुसार 640 जिले)।
- फिर इसे राज्य/केंद्रशासित प्रदेश स्तर पर समेकित किया जाता है।

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF STOCK MARKET

LEARN HOW TO TRADE

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH

COMBO OFFERS

COURSE FEE
~~₹4000/-~~

OFFER PRICE
₹2800/-

Course Validity
1 YEAR

BBK
Baaten Bazar ki

एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF

STOCK MARKET

LEARN HOW TO TRADE

Course fee

₹1999/-

COURSE VALIDITY 1 YEAR

INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK Baaten Bazar ki

EMI AVAILABLE

\+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR